# सांध्य दैनिक 4PM

कानून और व्यवस्था राजनीतिक शरीर की दवा है और जब राजनीतिक शरीर बीमार पड़े तो दवा जरूर दी जानी चाहिए।

-बीआर अम्बेडकर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 145 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 30 जून, 2022


संगठन को मजबूत करने में... 2 | मिशन 2024 के लिए रणनीति... 3 | खाना बनाते समय महिला की हत्या... 7

# प्रदेश में मौसम ने बदली करवट, जमकर बरसे बदरा

फोटो: सुमित कुमार

» तीन जुलाई तक बारिश के साथ तूफान की चेतावनी, लखनऊ में यलो अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में मानसून ने दस्तक दे दी है। लखनऊ समेत कई जिलों में आज जोरदार बारिश हुई। बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत दी है। आजमगढ़, जौनपुर, वाराणसी, गोरखपुर, बस्ती, उरई समेत कई जिलों में मूसलाधार बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने तीन जुलाई तक प्रदेश में गरज चमक के साथ तूफान की चेतावनी जारी की है। बदायूं, फर्रुखाबाद और कन्नौज में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने इन जिलों में अति भीषण बारिश के साथ जलभराव और जान माल की क्षति की चेतावनी दी है। वहीं चित्रकूट, बांदा, रायबरेली, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, आगरा, फिरोजाबाद, हाथरस, मथुरा, अलीगढ़, बुलंदशहर, अमरोहा और संभल में येलो अलर्ट जारी किया है।

## सीएम योगी का ऐलान

# हर परिवार के एक व्यक्ति को देंगे नौकरी-रोजगार

» वृहद ऋण मेला में छोटे उद्यमियों को वितरित किया 16 हजार करोड़ का कर्ज

» एक जनपद, एक उत्पाद से निर्यात का हब बन रहा उत्तर प्रदेश

» कोरोना काल में भी शुरू किया गया था ऋण मेला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लोकभवन में आयोजित वृहद ऋण मेला के तहत 1.90 लाख हस्तशिल्पियों, कारीगरों और छोटे उद्यमियों को 16 हजार करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया। इस मौके पर उन्होंने ऐलान किया कि प्रदेश सरकार छोटे उद्यमियों की मदद तो कर ही रही है, हम जल्द ही एक ऐसी योजना लेकर आ रहे हैं जिसमें हर परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी, रोजगार या स्वत: रोजगार से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने कहा कि 2017 के पहले एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग) क्षेत्र को बढ़ाने के लिए राज्य के पास धन की कमी नहीं थी। नीयत की कमी थी। देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में बेरोजगारी की दर 18 प्रतिशत से अधिक थी। 2017 में भाजपा सरकार आने के बाद हमने एक जनपद एक उत्पाद की घोषणा की जिसने निर्यात में बड़ी भूमिका निभाई। ऐसे निर्णयों के कारण आज यूपी निर्यात हब के रूप में विकसित हो रहा है। जहां 2016 तक यूपी का निर्यात 80 हजार करोड़ का था वह अब एक लाख 56 हजार करोड़ वार्षिक का हो चुका है। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन हुआ। हमें प्रदेश में बेरोजगारी दर को तीन प्रतिशत से भी नीचे लाने में सफलता प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में यूपी पहला राज्य था जहां से लोन मेले की शुरुआत हुई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हमारे देश का नौजवान नौकरी मांगने वाला नहीं देने वाला होना चाहिए। एमएसएमई सेक्टर ने ऐसे नौजवानों को बढ़ावा दिया है। एक जिला एक उत्पाद योजना अपने आप में इसकी एक मिसाल है।

### पूर्व सरकारों पर साधा निशाना

उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें केन्द्र की योजनाओं में कोई रुचि नहीं लेती थीं। लुप्तप्राय हो रही नदियों के लिए भी कोई योजना नही थी, उनकी कोई इच्छाशक्ति भी नहीं थी। 2017 में जब भाजपा सरकार आयी तब कृषि और उद्यम को बढ़ावा दिया गया।

### वार्षिक ऋण योजना भी शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 2022-23 के लिए 2.35 लाख करोड़ की वार्षिक ऋण योजना का भी शुभारंभ हो रहा है जिससे प्रदेश के उद्यमियों और हस्तशिल्पियों की मदद की जा सके और प्रदेश को आर्थिक रूप से विकसित बनाया जा सके।

## महाराष्ट्र में अब नयी सरकार के गठन को लेकर हलचल तेज

# फडणवीस-शिंदे पहुंचे राजभवन, पेश करेंगे सरकार बनाने का दावा

» आज शाम सीएम पद की शपथ ले सकते हैं फडणवीस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट द्वारा फ्लोर टेस्ट पर रोक लगाने से इंकार और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के इस्तीफा देने के बाद महाराष्ट्र में अब नयी सरकार के गठन की हलचल तेज हो गयी है। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना के बागी विधायक दल के नेता एकनाथ शिंदे ने आज राजभवन में जाकर राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की। सूत्रों के अुनसार वे सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

बगावत के बाद एकनाथ शिंद पहली बार मुंबई पहुंचे हैं। देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। वे देवेंद्र फडणवीस के साथ राजभवन पहुंचे। माना जा रहा है कि दोनों नेता, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के सामने सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। खबर लिखे जाने तक मुलाकात जारी थी। सूत्रों के अनुसार आज शाम सात बजे फडणवीस सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। भाजपा का दावा है कि उनके पास 170 विधायकों का समर्थन है।

### चुनाव आयोग से संपर्क करेगा उद्धव गुट

सूत्रों के मुताबिक उद्धव ठाकरे के समर्थन वाले नेताओं का धड़ा हालिया घटनाओं के खिलाफ चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाएगा।

### कांग्रेस, एनसीपी ने बुलाई बैठक

आज भाजपा के अलावा कांग्रेस, एनसीपी ने भी आगे की रणनीति के लिए बैठकें बुलाई हैं। इसमें कांग्रेस और एनसीपी का फोकस पार्टी के विधायकों की मौजूदा संख्या को कायम रखना होगा। महाराष्ट्र में एनसीपी और कांग्रेस के कुछ विधायकों के टूटकर फडणवीस खेमे में जाने के संकेत मिले हैं।

# यूपी में भ्रष्टाचार का नाला लबालब : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने जल जमाव का वीडियो ट्वीट कर सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृहनगर गोरखपुर में एक सड़क पर हुए जल जमाव के वीडियो को ट्वीट करते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार पर तंज कसा। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने हर घर नल की जगह हर घर जल पहुंचा दिया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगतो हुए कहा यूपी में भ्रष्टाचार का नाला लबालब है। अखिलेश ने ट्वीट करते हुए लिखा कि हर घर नल की जगह; हर घर जल पहुंचा दिया।**

उप्र में भ्रष्टाचार का नाला लबालब है। लगता है भाजपा सरकार गोरखपुर में जल-पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। बता दें कि मंगलवार से गोरखपुर में शुरु हुई बारिश के बाद से ही कई सड़कों पर जल जमाव हुआ है। ऐस ही एक सड़क पर जल जमाव का वीडियो अखिलेश यादव ने ट्वीट किया है। वीडियो में एक पार्षद हाथ में पूजा की थाली लिए सड़क की आरती उतारते हुए नजर आ रहा है। पूछने पर युवक ने बताया कि गोरखपुर के नगर आयुक्त अविनाश सिंह की कृपा से यह सड़क पूरी तरह से जल मग्न है। यहां अगर नाव भी चला दी जाए तो वो भी चल जाएगी। बता दें कि आज ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीसी के जरिए सभी जिलों के जिलाधिकारियों को आदेश दिया है कि आपके जिले में कहीं जल जमाव भी नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए हैं कि बाढ़ संबंधी जितने भी कार्य हैं वो 30 जून तक खत्म कर लें। अगर नालियों और नालों की सफाई नहीं हुई हैं तो वो भी करवा लें। इससे पहले उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने दुख जताते हुए हत्यारों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि उदयपुर में जो उन्मादी हत्या हुई है उसकी जितनी निंदा हो वो कम है। आज समाज के हर एक व्यक्ति को आगे आना होगा और देश के भाईचारे को नफरत की भेंट चढ़ने से बचाना होगा। उन्होंने कहा ऐसे आपराधिक तत्वों को समय रहते सख्त से सख्त सजा दी जाए, जिससे देश के अमन-चैन के दुश्मन इसका लाभ न उठा सकें। अखिलेश बोले उदयपुर में जो उन्मादी हत्या हुई है उसकी जितनी निंदा हो वो कम है। आज समाज के हर एक व्यक्ति को आगे आना होगा और देश के भाईचारे को नफरत की भेंट चढ़ने से बचाना होगा।

# भाजपा ने मुख्तार अंसारी को लेकर कांग्रेस को घेरा

» पंजाब की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने ढाई साल तक मुख्तार को बचाया

» राहुल और प्रियंका बताएं क्या थी माफिया मुख्तार अंसारी से डील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। मुख्तार अंसारी को बचाने के आरोप झेलती रही कांग्रेस के लिए पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार ने नई मुसीबत खड़ी कर दी है। मुख्तार को जेल में वीआइपी सुविधाएं दिए जाने के पंजाब सरकार के बयान के बाद उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस निशाने पर आ गई है। भाजपा की ओर से प्रश्न उठाया गया है कि अब राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा बताएं कि उनकी मुख्तार से क्या डील थी? उसे जेल में सुख-सुविधाएं देने के एवज में कांग्रेस ने क्या पाया? माफिया मुख्तार अंसारी पंजाब की रूपनगर जेल में बंद था, जिसे यूपी में दर्ज मुकदमों के आधार पर योगी सरकार यहां बांदा जेल लेकर आई।**

विधानसभा चुनाव के ऐन पहले सरकार के इस प्रयास में पंजाब की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने खूब रोड़े अटकाए। वह नहीं चाहती थी कि मुख्तार

अंसारी को यूपी की जेल में स्थानांतरित किया जाए। तब इसे लेकर कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा भाजपा के निशाने पर रहीं। अब पंजाब सरकार के मंत्री ने सदन में बयान देकर नया सियासी हंगामा खड़ा कर दिया। इसे यहां भाजपा ने हाथों-हाथ लिया है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी का कहना है कि भाजपा तब भी कहती रही कि कांग्रेस मुख्तार अंसारी को जेल में सुख-सुविधाएं दे रही है और उसका संरक्षण कर रही है। अब पंजाब सरकार के अधिकृत बयान से यह सिद्ध हो गया है कि भाजपा के आरोप राजनीतिक नहीं, बल्कि वास्तविक थे। इसी तरह मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार मृत्युंजय कुमार ने भी ट्वीट कर कांग्रेस को घेरा है। उन्होंने लिखा जाली एफआईआर करके पंजाब की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने ढाई साल तक मुख्तार अंसारी को बचाया।

# किसी भी तरह का धार्मिक उन्माद बर्दाश्त नहीं करेगी सरकार : धामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**देहरादून। धामी सरकार धार्मिक उन्माद बर्दाश्त नहीं करेगी। ऐसे मामलों में सरकार सख्ती से निपटेगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ समन्वय बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी सरकार के इरादे साफ किए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में गृह विभाग और प्रशासन को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उदयपुर हत्याकांड को लेकर गृह विभाग और पुलिस प्रशासन को चौकस कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य में कहीं कोई अमर्यादित या धार्मिक टिप्पणी करता है, उस पर कार्रवाई की जाए।**

उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारियों, पुलिस कप्तानों और गृह विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि धार्मिक, अमर्यादित या उन्माद से संबंधित टिप्पणी पर कड़ी निगरानी रखी जाए। यदि कोई ऐसा काम करता है तो कानून उसके खिलाफ अपना काम

करेगा। ऐसे मामले को सख्ती से निपटा जाएगा। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद शासन से पुलिस और जिला प्रशासन को चौकस रहने के दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सोशल मीडिया पर विशेष निगाह रखने को कहा गया है। धार्मिक भावना को प्रभावित करने वाली राज्य में कोई भी हरकत नजर आती है तो ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया है।

# संगठन को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : संजय

» आम आदमी पार्टी ने यूपी में संगठन विस्तार का काम किया तेज, प्रांत अध्यक्ष व प्रांत प्रभारियों की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) ने उत्तर प्रदेश को आठ प्रांत में बांटकर संगठन विस्तार का काम तेज कर दिया है। सभी आठ प्रांत के अध्यक्ष, चार जोन के प्रभारी व तीन प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों के नाम की घोषणा की गई। राजधानी में आप के प्रदेश कार्यालय में आप के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बताया कि अभी तक सात हजार वार्ड प्रभारी बनाए जा चुके हैं। तीन हजार वार्ड कमेटियों का गठन कर दिया गया है।**

उन्होंने बताया कि 25 से 30 घर पर एक मोहल्ला प्रभारी बनाया जा रहा है। संगठन को मजबूत करने में कोई कसर

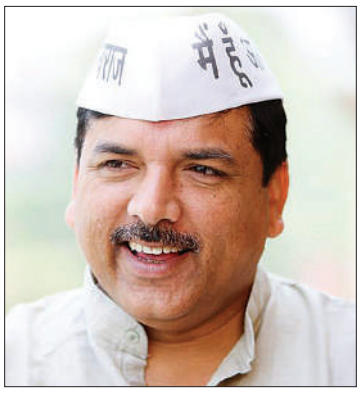

नहीं छोड़ी जाएगी। जिन आठ प्रांतों के अध्यक्ष के नाम घोषित किए गए उनमें अयोध्या प्रांत का अध्यक्ष सूरज रावत को बनाया गया है। वहीं काशी प्रांत के पवन तिवारी, पश्चिम प्रांत के सोमेंद्र ढाका, पूर्वांचल प्रांत के राजेश यादव, बुंदेलखंड प्रांत के विवेक जैन, ब्रज प्रांत ह्रदेश चौधरी, रूहेलखंड प्रांत के मोहम्मद हैदर और भगवान गौतमबुद्ध के नाम से बनाए गए बौद्ध प्रांत का अध्यक्ष इमरान लतीफ को बनाया गया है। अयोध्या प्रांत के प्रभारी विकास पटेल बनाए गए हैं। पूर्वांचल प्रांत के अभिनव राय, बौद्ध प्रांत के अनुराग मिश्रा व रूहेलखंड प्रांत का प्रभारी नदीम अशरफ जायसी को बनाया गया है। वहीं शिक्षक प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष प्रो. डीएनएनएस यादव, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का अध्यक्ष डा. एसपी सिंह पाल व बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बीएन खरे को बनाया गया है। कुछ दिन पूर्व आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह ने कहा था कि यूपी में पार्टी 10 हजार तिरंगा शाखाएं शुरू करेगी। छह माह में शाखाओं का गठन करेंगे। एक जुलाई से तिरंगा शाखा प्रमुख बनाने का काम शुरू होगा। पार्टी यूपी के सभी चेयरमैन व मेयर से लेकर वार्ड के पद पर मजबूती से चुनाव लड़ेगी।

# भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार का एक्शन, पाण्डेय सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। प्रदेश सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक एसएन पाण्डेय को निलंबित कर दिया है। उन पर मदरसा बोर्ड में रजिस्ट्रार पद पर रहने के दौरान वित्तीय अनियमितता व विभागीय कार्यों में लापरवाही के आरोप लगे हैं। इस मामले की जांच भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव एवं निदेशक डा. रोशन जैकब को सौंप दी गई है। एसएन पाण्डेय अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में संयुक्त निदेशक के साथ ही उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद में रजिस्ट्रार भी थे।**

इस साल 17 मई को उन्हें रजिस्ट्रार के पद से हटा दिया गया था। आरोप है कि मदरसों में चतुर्थ श्रेणी के पदों पर नियुक्तियों में रोक लगी होने के बावजूद 22 जुलाई 2016 के बाद मदरसों में समूह घ के पदों पर भर्ती के लिए एसएन पाण्डेय ने वित्तीय अनुमोदन दे दिया। इन पदों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से ही भरा जाना था। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि एसएन पाण्डेय की कई शिकायतें थीं, इसलिए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जांच अधिकारी को सभी आरोपों की जांच कर जल्द रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है।

# मिशन 2024 के लिए रणनीति बनाने में जुटी भाजपा, हारी सीटों पर कर रही फोकस

» खराब प्रदर्शन करने वाले बूथों को मजबूत करने पर बल

» मंत्रियों, विधायकों और पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा ने अब मिशन 2024 की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए खास रणनीति बनायी गई। पिछले चुनावों में भाजपा ने जिन 76 हजार बूथों पर खराब प्रदर्शन किया था, इस बार उस पर विशेष फोकस करेगी। इसके अलावा केंद्र और भाजपा शासित राज्यों की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक भी पहुंचने का प्लान है।

लोक सभा चुनाव 2024 में भले ही तकरीबन दो वर्ष का वक्त बचा हो लेकिन भाजपा ने अपनी तैयारी अभी से शुरू कर दी है। भाजपा ने पहले सभी सांसदों को 100 कमजोर बूथों और विधायकों को 25 कमजोर बूथों को पहचान कर उन पर मेहनत करने की जिम्मेदारी दी थी और अब भाजपा ने देशभर में 2019 लोक सभा चुनाव में हारी हुई 144 सीटों को जीतने की रणनीति तैयार करने के लिए एक टीम बनाई है। पार्टी ने यूपी के बस्ती से सांसद हरीश द्विवेदी, उत्तराखंड के राज्य सभा सांसद नरेश बंसल, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा को जिम्मेदारी दी गई है। इसमें यूपी की 14 सीटों की जिम्मेदारी उत्तराखंड के राज्य सभा सांसद नरेश बंसल को दी गई है। इन सीटों पर भाजपा की हार का कारण व इन सीटों पर बूथ मजबूत करने से लेकर लोगों को ज्यादा से ज्यादा जोड़ने का कार्य भाजपा नेता करेंगे। लखनऊ में हारी हुई सीटों को लेकर जल्द ही पार्टी बैठक करेगी, जिसमें नरेश बंसल के साथ प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव और संगठन मंत्री सुनील बंसल शामिल होंगे। इसके अलावा इस बैठक में सभी 14 लोक सभा क्षेत्रों के प्रभारियों को भी बुलाया गया है। इससे पहले भाजपा ने अपने सभी सांसदों को अपने-अपने क्षेत्र में 100 कमजोर बूथ और विधायकों को 25 कमजोर बूथों को पहचान कर उन पर काम करने की जिम्मेदारी दी है। भाजपा ने मिशन मोड में 2024 लोक सभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

## कार्यकारिणी की बैठक में तैयार होगा खाका

भारतीय जनता पार्टी ने 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव के लिए कमर कस ली है। इसके मद्देनजर हैदराबाद में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होगी। इस बैठक में आम चुनाव से जुड़े मुख्य कामों की समीक्षा की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक इसमें प्रधानमंत्री के नेतृत्व में होने वाले चुनावी प्रचार का खाका खींचना, **Modi@20'** किताब के संदेश को ज्यादा से ज्यादा प्रसारित करना, ऐसी 70 सीटों पर ध्यान केंद्रित करना जहां भाजपा को कभी जीत हासिल नहीं हुई और पिछले चुनावों में भाजपा ने बुरा प्रदर्शन करने वाले करीब 76 हजार चुनाव बूथों पर ध्यान देना शामिल है।

## लाभार्थियों तक पहुंचने की योजना

2024 के चुनावों को लेकर पार्टी पूरी तरह सक्रिय है। पार्टी केंद्र और प्रदेश सरकार के कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के तक पहुंचेगी। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में इस रणनीति में उसे सफलता मिल चुकी है लिहाजा इस पर खास ध्यान देने की रणनीति बनायी गयी है।

# निरहुआ की जीत के बाद आजमगढ़ की विकास परियोजनाओं पर भाजपा की पैनी नजर

» अब आजमगढ़ जिले पर योगी सरकार का रहेगा खास ध्यान

» आजमगढ़ के साथ-साथ रामपुर को भी अपना अभेद्य दुर्ग बनाएगी भाजपा

» दोनों जिलों की विकास परियोजनाओं पर सीएम कार्यालय की रहेगी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ में निरहुआ की जीत के बाद वहां की विकास परियोजनाओं पर भाजपा की पैनी नजर है। अब भाजपा आजमगढ़ जिले पर विशेष फोकस करेगी ताकि 24 का चुनाव बड़ी आसानी से जीता जा सके। समाजवादी पार्टी के गढ़ कहे जाने वाले आजमगढ़ और रामपुर को उपचुनाव में ढहाने के बाद अब भाजपा इन दोनों जिलों को अपना अभेद्य दुर्ग बनाने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों ही जिलों को शीर्ष प्राथमिकता में रखते हुए यहां चल रहीं विकास परियोजनाओं की शासन स्तर से समीक्षा के निर्देश दिए हैं। इन जिलों पर अब मुख्यमंत्री कार्यालय की सीधी नजर होगी।

सरकार के पहले 100 दिन के कार्यों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा उपचुनाव में भाजपा की अभूतपूर्व जीत की चर्चा करते हुए स्थानीय जनता के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि रामपुर और आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव में स्थानीय जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों में अभूतपूर्व विश्वास जताया है। हमें इस विश्वास और उनके भरोसे पर खरा उतरना होगा। सभी विभाग इन दोनों जनपदों से संबंधित विकास परियोजनाओं की समीक्षा कर लें, कोई भी प्रस्ताव लंबित न रहे। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा भी इन क्षेत्रों में संचालित/लंबित विकास परियोजनाओं की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा शास्त्रीय संगीत में आजमगढ़ के हरिहरपुर घराना की समृद्ध विरासत का जिक्र करते सीएम ने कहा कि हरिहरपुर घराना 600 वर्ष से अधिक पुराना घराना है। ऐसे में संगीत जगत के प्रतिष्ठ लोगों से परामर्श कर उनकी मंशानुरूप कला-संगीत साधकों के हित में यहां के लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार किया जाए। इसी तरह बिलासपुर (रामपुर) चीनी मिल का सुदृढ़ीकरण का कार्य यथाशीघ्र किया जाए।

## आजमगढ़ में भाजपा ने सपा से छीनी सीट

आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव में भाजपा की जीत हुई है। आजमगढ़ में भाजपा प्रत्याशी निरहुआ ने सपा के धर्मेंद्र यादव को 8,679 वोटों से हराया जबकि ये सीट सपा का गढ़ मानी जाती रही है। आजमगढ़ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के इस्तीफा देने के चलते ये सीट खाली हुई थीं। आजमगढ़ से इसके पहले 2009 में भाजपा के रमाकांत यादव चुनाव जीते थे जबकि रामपुर से 2014 में भाजपा से डॉ. नेपाल सिंह ने जीत हासिल की थी। 2014 के लोक सभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव को 340306 मत मिले थे जबकि भाजपा प्रत्याशी रमाकांत यादव को 277102 मत मिले। 2014 के लोक सभा चुनाव में भी बसपा प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को 266528 मत मिले थे। 2019 के लोक सभा चुनाव में सपा-बसपा राष्ट्रीय लोक दल व कांग्रेस के समर्थन हासिल करने के बावजूद जहां सपा ने 621578 मत हासिल किए थे। वहीं भोजपुरी कलाकार दिनेश लाल यादव निरहुआ ने 361704 वोट पा सके थे। 2014 के लोक सभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव को मिले मतों से 21000 ज्यादा था। 2022 के लोक सभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ को 312768 मत, सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव को 304088 मत जबकि बसपा प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को 266210 वोट मिले हैं।

## सपा को जहां सर्वाधिक वोट मिलने की उम्मीद थी वहीं मिला सबसे कम

लोक सभा उपचुनाव में सपा को आजमगढ़ में मिली हार ने पार्टी का रुतबा कम किया है। बेमन से नामांकन के अंतिम दिन आजमगढ़ पहुंचे धर्मेंद्र उम्मीदों का गोता लगाते-लगाते गच्चा खा गए। यही नहीं, सपा को जिन बूथों पर वोट ज्यादा मिलना था, उन बूथों पर कम वोट मिले। सपा वाले बूथों पर भी भाजपा ने मजबूत पकड़ बना ली है। अब सपा को यह तय करना होगा कि उनकी सियासी कर्मभूमि आजमगढ़ के लिए क्या खास किया जाए कि वोटर न छिटके। सपा को आजमगढ़ सदर से उम्मीद थी कि उन्हें यहां से सबसे ज्यादा वोट मिलेंगे क्योंकि यहां के विधायक दुर्गा प्रसाद यादव नौवीं बार जीते हैं। यहां करीब 75 हजार यादव और 60 हजार मुस्लिम वोटर हैं। इसके बाद भी यहां सपा भाजपा से छह हजार से ज्यादा वोट से पीछे रही। सगड़ी और मेहनगर में भी पीछे रही हालांकि मुबारकपुर और गोपालपुर में सपा को भाजपा से बढ़त मिली।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# अव्यवस्थाओं से जूझते शहर

*प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत तमाम शहर आज भी अव्यवस्थाओं से जूझ रहे हैं। दूषित पेयजल, जलभराव, कूड़े के ढेर, जाम, अतिक्रमण और सड़कों पर घूमते बेसहारा जानवर तमाम शहरों की पहचान बन चुके हैं। तमाम दावों के बावजूद सड़कें आज तक गड्ढा मुक्त नहीं हो सकी हैं। लिहाजा शहरों में रहने वाले नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सवाल यह है कि शहरों की अव्यवस्था का जिम्मेदार कौन है? नगर निगम और नगर पालिकाएं क्या कर रही हैं? शहरों को चमकाने के लिए हर साल आवंटित होने वाला भारी भरकम बजट कहां खर्च हो रहा है? कूड़ा उठान और निस्तारण की व्यवस्था आज तक क्यों नहीं हो सकी है? सड़कों से लेकर गलियों तक में गंदगी का साम्राज्य क्यों फैला हुआ है? आज तक शहर के लोगों को शत-प्रतिशत शुद्ध पेयजल क्यों नहीं मुहैया कराया जा सका है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है? क्या ऐसे ही स्मार्ट सिटी का सपना साकार होगा?*

*प्रदेश में तमाम सरकारें आईं और गईं लेकिन आज तक शहरों की सूरत नहीं संवर सकी। शहर को चमकाने की जिम्मेदारी नगर निगम और नगर पालिकाओं को दी गयी है। इसके लिए हर साल सरकार बजट जारी करती है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों का बड़ा अमला है। बावजूद हालात दिनों-दिन बदतर होते जा रहे हैं। मसलन, राजधानी लखनऊ की कुछ पॉश कॉलोनियों को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश में सफाई कर्मचारी नहीं पहुंचते हैं। डोर-टू-डोर कूड़ा उठान की व्यवस्था चौपट हो चुकी है। इसके निस्तारण की भी समुचित व्यवस्था नहीं की गयी है। तमाम नाले चोक पड़े हैं और बारिश में उफना जाते हैं। बस खानापूर्ति के लिए कुछ नालों की सफाई कर दी जाती है। पुराने लखनऊ में हालत और भी बदतर हैं। यहां खाली प्लाटों को कूड़े का डंपिंग ग्राउंड बना दिया गया है। सड़कों के किनारे रखे कूड़े दान से महीनों कूड़ा नहीं उठाया जाता है। शहर की सड़कों की हालत बेहद खस्ता हो चुकी है। इनमें बड़े-बड़े गड्ढे पड़ चुके हैं। मानकों को दरकिनार कर बनाए गए स्पीड ब्रेकर दुर्घटनाओं को निमंत्रण देते हैं। बेसहारा पशुओं के सड़क पर घूमने से भी हादसों की आशंका हमेशा बनी रहती है। आज भी अधिकांश शहरवासियों को स्वच्छ पेयजल नसीब नहीं हो रहा है। जब प्रदेश की राजधानी का यह हाल है तो अन्य शहरों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। जाहिर है यदि सरकार शहरों को स्मार्ट सिटी बनाना चाहती है तो उसे न केवल संबंधित विभागों की जवाबदेही तय करनी होगी बल्कि लापरवाह कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करनी होगी।*

संजय

**“ दूषित पेयजल, जलभराव, कूड़े के ढेर, जाम, अतिक्रमण और सड़कों पर घूमते बेसहारा जानवर तमाम शहरों की पहचान बन चुके हैं। तमाम दावों के बावजूद सड़कें आज तक गड्ढा मुक्त नहीं हो सकी हैं। लिहाजा शहरों में रहने वाले नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सवाल यह है कि शहरों की अव्यवस्था का जिम्मेदार कौन है?**

**(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)**

# वैश्विक मंदी की आशंका व भारत

अजीत रानाडे

जर्मनी की अध्यक्षता में आयोजित जी-7 की बैठक में भारत को इंडोनेशिया, अर्जेंटीना, सेनेगल और दक्षिण अफ्रीका के साथ आमंत्रित किया गया था। सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, लैंगिक समानता आदि मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें लोकतंत्र भी एक मसला था परंतु सभी के जेहन में जो चिंता सबसे ऊपर रही वह यूक्रेन में युद्ध और इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव था। सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जर्मनी जाने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा था कि वे विश्व नेताओं से मिलेंगे पर उन्होंने अर्थव्यवस्था को लेकर अंतरराष्ट्रीय सोच का भी जायजा जरूर लिया होगा। भारत की स्थिति ऊर्जा स्रोतों के लिए आयात पर निर्भर होने के नाते अतिसंवेदनशील है।

तेल की कीमतें लगातार उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। भारत तेल खरीद पर रूस द्वारा दी जा रही भारी छूट का लाभ उठाने का इच्छुक है। ऐसा करने पर जी-7 के सदस्य देश नाराज होंगे जो रूस का संपूर्ण बहिष्कार चाहते हैं ताकि उसके ऊपर यूक्रेन से पीछे हटने के लिए आर्थिक दबाव बनाया जा सके लेकिन जर्मनी समेत यूरोप यह अहसास कर रहे हैं कि रूस पर उनकी ऊर्जा निर्भरता कितनी अधिक है। कोयला उत्पादित ऊर्जा का विकल्प अपनाना आसान भी नहीं है और यह वांछनीय भी नहीं है। इस अजीब भू-राजनीतिक स्थिति में कुछ लोग जर्मनी की पूर्व चांसलर एंगेला मर्केल की समझदारी पर सवाल उठा रहे हैं, जिनके लंबे कार्यकाल में रूस से जर्मनी का ऊर्जा जुड़ाव बहुत सघन हुआ था। अब जर्मनी में गैस की आपूर्ति सीमित कर दी गयी है, जिससे मुश्किलें बढ़ रही हैं। यूक्रेन संघर्ष की वजह से ऊर्जा के अलावा खाद्य वस्तुओं के मूल्य भी बहुत अधिक हो गये हैं। मुद्रास्फीति अन्य उपभोक्ता वस्तुओं और निर्माताओं की लागत को भी प्रभावित कर रही है। मुद्रास्फीति का एक अतिरिक्त कारण चीन के लॉकडाउन भी हैं। जीरो-कोविड नीति के तहत लगी कड़ी पाबंदियों की वजह से चीनी बंदरगाहों पर पश्चिम में आपूर्ति करनेवाले जहाजों का अंबार लग गया। इसका नतीजा यह हुआ कि पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति और सामानों की कमी के लिए अलग-अलग कारणों से चीन और रूस को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। दोनों देशों के राष्ट्रपतियों को जी-7 में आमंत्रित नहीं किया गया। समूह की बैठक ने रूस और चीन के रवैये के बरक्स सभी लोकतंत्रों के एकजुट होने का संदेश देने का भी प्रयास किया है लेकिन यह

आसान नहीं है। भारत रूस से सस्ती दरों पर तेल आयात की आजादी चाहता है और वह किसी बहिष्कार में शामिल नहीं होगा। रूस कई दशकों से सैन्य साजो-सामान और तकनीक की आपूर्ति में भरोसेमंद सहयोगी रहा है। गलवान घाटी में हुई झड़प और मौतों के बाद सीमा विवाद के समाधान के लिए चीन से भी भारत की लगातार उच्चस्तरीय बातचीत का सिलसिला (अब तक 15 ऐसी बैठकें हो चुकी हैं) चल रहा है. भारत में चीन के आयात में बढ़ोतरी के साथ लगातार द्विपक्षीय व्यापार के मजबूती से बढ़ने के आसार हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं. विश्व बैंक ने इस वर्ष वैश्विक आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 4.1 प्रतिशत से घटाकर 2.9 प्रतिशत कर दिया है। इस कमी का अर्थ यह है कि आमदनी में लाखों करोड़ों डॉलर की कमी आयेगी। अमेरिका और यूरोप के मंदी की स्थिति में जाने की आशंका है यानी लगातार दो तिमाहियों में सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में गिरावट आयेगी। कई अर्थशास्त्रियों ने भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमानों में एक से दो प्रतिशत की कमी की है। इसका मतलब यह होगा कि राष्ट्रीय आमदनी में तीन से चार लाख करोड़ की कमी होगी तथा 50 से 80 लाख रोजगार के अवसर घटेंगे। भारत को अगले साल भी निर्यात में बड़ी बढ़त की अपेक्षा है। वस्तुओं के निर्यात को 500 अरब डॉलर के करीब ले जाने की उम्मीद की जा रही है लेकिन ऐसा होने के लिए यह जरूरी है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था आशंकाओं से कहीं ज्यादा बेहतर हालत में हो। बीते छह माह में विदेशी निवेशकों ने भारत से 40 अरब डॉलर निकाल लिया है। ऐसे में शेयर बाजार में गिरावट आ गयी है। जीवन बीमा निगम के शेयरों के दाम घटे हैं और इसके बाजार मूल्य में करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये की कमी आयी है। घरेलू खुदरा निवेशक भी भागीदारी घटा रहे हैं। विश्व मुद्रा स्फीति जनित मंदी की ओर बढ़ रहा है और भारत इसके प्रभाव से अछूता नहीं रह सकता है। इससे घरेलू मांग और वित्तीय सहयोग के आधार पर आगे बढ़ना होगा। मुद्रा की आपूर्ति अभी नियंत्रित की जा रही है, पर अगर इससे मुद्रास्फीति कम होती है तो कुछ राहत मिल सकती है। अच्छे मानसून की बहुत जरूरत है। हालांकि मंदी के दौर में प्रवेश कर रहे पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत में सकारात्मक वृद्धि होगी, पर यह शायद उतना अधिक नहीं होगा, जितने की जरूरत है।

# संकट से निपटने में निर्णायक होगा जल संरक्षण

ज्ञानेन्द्र रावत

**यह सच है कि भूजल पानी का महत्वपूर्ण स्रोत है। पृथ्वी पर होने वाली जलापूर्ति अधिकतर भूजल पर ही निर्भर है लेकिन वह चाहे सरकारी मशीनरी हो, उद्योग हो, कृषि क्षेत्र हो या आमजन, सभी ने इसका इतना दोहन किया है, जिसका नतीजा भूजल के लगातार गिरते स्तर के चलते जल संकट की भीषण समस्या के रूप में हमारे सामने है। इससे पारिस्थितिकी तंत्र के असंतुलन की स्थिति पैदा हो गयी है।**

जल संकट की स्थिति इतनी खराब है कि दुनिया के 37 देश पानी की भारी किल्लत का सामना कर रहे हैं। इनमें सिंगापुर, पश्चिमी सहारा, कतर, बहरीन, जमायका, सऊदी अरब और कुवैत समेत 19 देश ऐसे हैं जहां पानी की आपूर्ति मांग से बेहद कम है। हमारा देश भी इनसे सिर्फ एक पायदान पीछे है। असलियत यह है कि दुनिया में पांच में से एक व्यक्ति की साफ पानी तक पहुंच ही नहीं है। यह सब सेवा एवं उद्योग क्षेत्र के योगदान बढ़ने के कारण घरेलू और औद्योगिक क्षेत्र में पानी की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी का नतीजा है। दुनिया में नदियों के मामले में सबसे अधिक संपन्न हमारे देश की तकरीबन साठ करोड़ आबादी पानी की समस्या से जूझ रही है। देश की यह स्थिति तब है जबकि यहां मानसून बेहतर रहता है। यदि जल गुणवत्ता की बात की जाये तो हमारा देश 122 देशों में 120वें पायदान पर है। इसका सबसे बड़ा कारण कारगर नीति के अभाव में जल संचय, संरक्षण व प्रबंधन में नाकामी है।

यह सच है कि भूजल पानी का महत्वपूर्ण स्रोत है। पृथ्वी पर होने वाली जलापूर्ति अधिकतर भूजल पर ही निर्भर है लेकिन वह चाहे सरकारी मशीनरी हो, उद्योग हो, कृषि क्षेत्र हो या आमजन, सभी ने इसका इतना दोहन किया है, जिसका नतीजा भूजल के लगातार गिरते स्तर के चलते जल संकट की भीषण समस्या के रूप में हमारे सामने है। इससे पारिस्थितिकी तंत्र के असंतुलन की स्थिति पैदा हो गयी है। इसे उसी स्थिति में रोका जा सकता है जबकि पानी समुचित मात्रा में रिचार्ज हो, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पानी का दोहन नियंत्रित हो, संरक्षण हो, भंडारण हो ताकि वह जमीन के अंदर प्रवेश कर सके। आखिर जिस देश में भूतल व सतही, विभिन्न माध्यमों से पानी की उपलब्धता 2300 अरब घनमीटर है और जहां नदियों का जाल बिछा हो, जहां सालाना औसत बारिश 100 सेमी से भी अधिक होती है जिससे 4000 अरब घनमीटर पानी मिलता हो, वहां पानी का अकाल क्यों है? असलियत में बारिश से मिलने वाले पानी में से 47 फीसदी पानी नदियों में चला जाता है। इसमें से 1132 अरब घनमीटर पानी उपयोग में लाया जा सकता है। इसमें से 37 फीसदी उचित भंडारण-संरक्षण के अभाव में समुद्र में बेकार चला जाता है। यदि इसी को रिचार्ज के लिए एक सोची-समझी नीति के तहत उसका भविष्य में उपयोग की दृष्टि से संरक्षण किया जाये तो देश में पानी का कोई संकट नहीं होगा। सच तो यह है कि इसे बचाकर काफी हद तक पानी की समस्या का हल निकाला जा सकता है जबकि सदियों से हमारे देश में जल का संचय होता आया है। मगर सरकारी तंत्र पर समाज के आश्रित हो जाने ने समस्या बढ़ाई है। इसका परिणाम जल प्रबंधन में सामुदायिक हिस्सेदारी के पतन के रूप में सामने आया। असलियत में यह संकट जल संचय के हमारे परंपरागत तरीकों की अनदेखी, झीलों-तालाबों और कुओं पर अतिक्रमण से बढ़ा है। नदी और भूजल स्रोतों का प्रदूषण, अत्यधिक पानी वाली फसलों के उत्पादन की बढ़ती चाहत, पानी की बर्बादी, बारिश के जल का उचित संरक्षण न होना, भूजल के अत्यधिक दोहन के चलते भूजल स्तर में भयावह स्तर तक गिरावट आई है। जल प्रबंधन का अभाव, जल संचय व संरक्षण में समाज की भागीदारी का पूर्णत: अभाव, छोटे शहरों में अधिकांशत: जमीनी सतह का पक्का कर दिया जाना भी जल संग्रहण में बाधक बना। अनियंत्रित, अनियोजित औद्योगिक विकास और विकास के वर्तमान ढांचे की अंधी दौड़ ने हमारी धरती को बंजर बनाने और पाताल के पानी के अत्यधिक दोहन में नकारात्मक भूमिका अदा की है। फिर पानी की मांग में बढ़ोतरी और जल उपलब्धता में आये दिन हो रही कमी के साथ हमारी जीवनशैली में हुआ बदलाव सबसे बड़ा कारक है। ऐसी स्थिति में वर्षाजल संरक्षण और उसका प्रबंधन ही एकमात्र रास्ता है। पानी देश और समाज की सबसे बड़ी जरूरत है। लिहाजा भूजल रिचार्ज प्रणाली पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। जनता को भी बारिश के जल का संचय कर देश और समाज के लिए अपनी भूमिका का सही मायने में निर्वाह करें। जल संचय के पारंपरिक तौर-तरीकों के इस्तेमाल की भूमिका अहम होगी, उसी दशा में इस समस्या से छुटकारा मिल सकता है। गौरतलब है कि जीवन जल से ही शुरू होता है और अंत भी उसी से होता है। ध्यान रहे कि जल संकट की भयावहता में उत्तर और पूर्व में काफी भिन्नता है। फिर भूमिगत जल के प्रदूषण में समय के साथ काफी बदलाव आया है। सबसे बड़ी बात यह कि जर्मनी में राइन नदी की सहयोगी नदी को वहां के लोग पुनर्जीवित कर सकते हैं तो क्या हम अपनी नदियों को पुनर्जीवन नहीं दे सकते। यह संकल्प और प्रकृति के साथ जुड़ाव से ही संभव है। आज जरूरत इस बात की है कि हम सभी जल संकट के इस दौर में प्रकृति और प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का यथोचित सम्मान कर समाज को नयी दिशा देकर अपने राष्ट्रीय दायित्व इस समस्या के निदान में अपना योगदान दें।

# दफ्तर में दूर करें आपसी मतभेद बनाए मजबूत रिश्ते

एक ही संस्थान में काम करते हुए जब हम एक-दूसरे के विचार सुनने-समझने के लिए तैयार होते हैं, तो एक-दूसरे को प्रेरित भी करते हैं। बहस या बातचीत करते हुए जब कभी माहौल गर्म हो जाए या विचारों में मतभेद हो जाए, तो मजबूत रिश्तों के लिए रणनीति बनानी चाहिए। ताकि ऑफिस वर्क के बाद भी आपका साथी आपसे दूर न रह सके। कभी जब आप अलग हो उससे तो वो आपकी कमी महसूस न कर सके। बल्कि हमेशा एक अच्छे दोस्त की तरह पेश आए। परिवार के सदस्य की तरह भी आप एक-दूसरे से मतभेद मिटा सकते हो, अगर आप उस खास व्यक्ति को समय देंगे। बातचीत करने से हल निकलना ही है। ऐसे में अगर ज्यादा मतभेद हो तो इन रणनीतियों को अपनाएं, देखिए पक्का आपसी मतभेद दूर होंगे और साथ में रिश्ते भी मजबूत होंगे।

## लोगों के विचार सुनें उन्हें सम्मान दें

'अपने विचार व्यक्त करने के लिए शुक्रिया।' ऐसा कहने से आप सामने वाले को संदेश देते हैं कि उनका नजरिया महत्वपूर्ण है, साथ ही यह आपका भरोसा दर्शाता है, फिर चाहे मन ही मन आप उनसे असहमत क्यों न हों। इस तरह आप आगे का रास्ता खोल देते हैं। लोग एक-दूसरे को गंभीरता से सुनने के लिए तैयार होते हैं और सही प्रतिक्रिया भी देते हैं।

## बहस के दौरान भी सकारात्मक बने रहें

बहस के दौरान सकारात्मक भाषा का उपयोग करें। ये कहें कि 'मार्केटिंग प्रोजेक्ट में कम लोगों के शामिल होने के फायदों के बारे में सोचा जा सकता है।' बजाय इसके कि 'अब और लोगों को मार्केटिंग प्रोजेक्ट में बिल्कुल भी शामिल नहीं करना चाहिए।' बाद वाले वाक्य से ऐसा लगता है जैसे व्यक्ति अब आगे बात करने के लिए तैयार ही नहीं है।

## दावे करने से बचें, हमेशा गुंजाइश छोड़ें

जब आप अपनी बात का दावा न करते हुए थोड़ी अनिश्चितता दर्शाते हैं, तो यह दिखाते हैं कि आपकी कही बात अंतिम सत्य नहीं है। ये कहें कि 'लोगों को फ्लेग्जिबल वर्क की इजाजत देने से उनकी संस्थान के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ सकती है।' बजाय इसके कि 'लोगों को फ्लेग्जिबल वर्क की इजाजत देने से संस्थान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जरूर बढ़ेगी।'

## विषय वो चुनें जिसमें सब सहमत हों

बहस में अगर किसी एक विषय पर असहमति हो रही है तो तुरंत ही सबका फोकस उस पर हो जाता है। जब एक विषय पर लोग पूरे जुनून के साथ असहमति जता सकते हैं, तो कुछ तो ऐसी मान्यताएं होंगी जो सभी में मौजूद हैं और जिनमें सभी की सहमति होती है। ऐसी मान्यताओं को चुनें, उन्हें सामने लाने से आपसी दूरियां काफी हद तक कम की जा सकती हैं।

## हंसना मना है

पति-पत्नी कहीं जा रहे थे, तभी उन्हें रास्ते में गधा दिखा पत्नी को मजाक करने की सूझी पत्नी- आपके रिश्तेदार हैं, नमस्ते करो पति भी दो कदम आगे... बोला- ससुर साहब नमस्ते।

गलफ्रैंड- तुम कहां पैदा हुए थे? बॉयफ्रैंड - तिरुवनंतपुरम... गर्लफ्रेंड- इसकी स्पेलिंग क्या है ? बॉयफ्रैंड - थोड़ी देर सोचने के बाद, शायद गोवा में पैदा हुआ था...।

पति- तुमने तो कहा था डिनर में दो ऑप्शन हैं...पर यहां तो एक ही सब्जी है पत्नी- ऑप्शन तो अभी भी दो हैं... खाओ या न खाओ...

टीचर- इस वाक्य को अंग्रेजी में ट्रांसलेट करो...वसंत ने मुझे मुक्का मारा। चीकू- वसंत पंच मी...

टीटू को बॉस ने ऑफिस पार्टी में बोला चलो कोई मजेदार शायरी सुनाओ आज। टीटू- उम्र की राह में जज्बात बदल जाते हैं। वक्त की आंधी में हालात बदल जाते हैं।सोचता हूं काम कर-कर के रिकॉर्ड तोड़ दूं। कमबख्त सैलेरी देखकर ख्यालात बदल जाते हैं टीटू का प्रमोशन कैंसिल।

एक अंकल ने सोनू से पूछा- पढ़ाई कैसी चल रही है...? सोनू ने जवाब दिया- अंकल, समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाते हैं, बाल्टी भर याद होता है, गिलास भर लिख पाते हैं, चुल्लू भर नंबर आते हैं, उसी में डूब कर मर जाते हैं।

## कहानी — ब्राह्मण किसकी पूजा करे

एक दिन महाराज कृष्णदेव राय ने कहा कि सभी दरबारी तथा मंत्रीगणों को यह आभास तो हो ही गया होगा कि आज दरबार में कोई विशेष कार्य नहीं और ईश्वर की कृपा से किसी की कोई समस्या भी हमारे सम्मुख नहीं। अतः क्यों न किसी विषय पर चर्चा की जाए। क्या आप जैसे योग्य मंत्रियों व दरबारियों में से कोई सुझा सकता है ऐसा विषय, जिस पर चर्चा कराई जा सके। तभी तेनालीराम बोला, ''महाराज, विषय का निर्णय आप ही करें तो अच्छा होगा।'' महाराज ने कुछ सोचा और फिर बोले, ''जैसा कि आप सभी जानते हैं कि क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र-तीनों वर्ग ब्राह्मण को पूजनीय मानें ?'' सभी दरबारियों व मन्त्रियों को महाराज का यह प्रश्न बेहद सरल प्रतीत हुआ। ''इसमें कठिनाई क्या है महाराज ? ब्राह्मण गाय को पवित्र मानते हैं... गाय जो कामधेनु का प्रतीक है।'' एक मंत्री ने उत्तर दिया। दरबार में उपस्थित सभी लोग उससे सहमत लगे। तभी महाराज बोले, ''तेनालीराम, क्या तुम भी इस उत्तर से संतुष्ट हो या तुम्हारी कुछ अगल राय है।''तेनालीराम हाथ जोड़ते हुए विनम्र भाव से बोला, ''महाराज ! गाय को तो सभी पवित्र मानते हैं, चाहे मानव हो या देवता। और ऐसा मानने वाला मैं अकेला नहीं, हमारे विद्वान की राय भी कुछ ऐसी ही है।'' ''यदि ऐसा है तो ब्राह्मण गौ-चर्म (गाय की खाल) से बने जूते-चप्पल क्यों पहनते हैं ?'' महाराज ने फिर पूछा। दरबार में चहुं ओर चुप्पी छा गई। दरअसल महाराज ने जो कुछ भी कहा था, वह बिल्कुल सच था। इस प्रश्न का उत्तर किसी के पास न था। सबको चुप देख महाराज ने घोषणा की जो भी उनके इस प्रश्न का संतोषजनक उत्तर देगा, उसे एक हजार स्वर्ण मुद्राएं पुरस्कार स्वरूप दी जाएंगी। हजार स्वर्ण मुद्राओं का पुरस्कार दरबार में उपस्थित हर कोई लेना चाहता था लेकिन प्रश्न का उत्तर कोई नहीं जानता था। सभी को चुप बैठा देख तेनालीराम अपने आसन से उठते हुए बोला, ''महाराज ! ब्राह्मण के चरण (पैर) बेहद पवित्र माने जाते हैं। उतने ही पवित्र, जितना कि किसी तीर्थ धाम की यात्रा। अतः गौ-चर्म से बने जूते-चप्पल पहनने से गायों को मोक्ष मिल जाता है।'' ''गलत तो हर हाल में गलत है।'' महाराज बोले, ''गौ-चर्म से बने जूते-चप्पल पहनना जायज नहीं कहा जा सकता, फिर चाहे पहनने वाला ब्राह्मण हो या किसी अन्य वर्ग का। लेकिन मुझे खुशी इस बात की है कि तेनालीराम ने उत्तर देने का साहस तो किया। चतुराई भरा उसका उत्तर उसे हजार स्वर्ण मुद्राएं दिलाने के लिए काफी है।''

## 5 अंतर खोजें

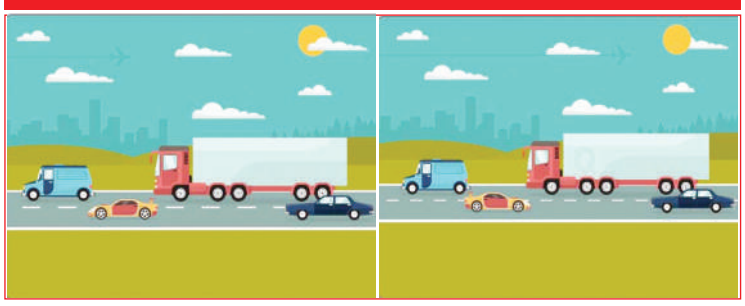

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** — कार्यस्थल पर आप शानदार प्रदर्शन करेंगे और उत्साह के साथ काम करेंगे। यदि आप प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो आप सफल होंगे।

**वृषभ** — आज आपके सारे काम मन-मुताबिक पूरे होंगे। आप अपने बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। छात्रों को लाभ मिलेगा।

**मिथुन** — आज व्यक्तिगतता संबंध मधुर सकते हैं। शत्रु से राहत मिलेगी। पिछले कुछ समय से चला आ रहा झंझट खत्म होने की संभावना है।

**कर्क** — आर्थिक रूप से दिन शुभ है। आप आय का एक अतिरिक्त स्रोत विकसित कर सकते हैं। भाग्य आपका साथ देगा और आप कठिन कार्यों को पूरा कर पाएंगे।

**सिंह** — अपना ज्यादा समय परिवारवालों के साथ बितायेंगे। आज फैसला करना थोड़ा कठिन भी हो सकता है। आपका पैसा आते-आते कहीं रूक सकता है।

**कन्या** — आज आप मित्रों के साथ प्रवास-पर्यटन का आयोजन करेंगे। बिजनेस में आगे बढ़ेंगे। नए लोगों से संपर्क बन सकते हैं। आपका कामकाज भी बढ़ सकता है।

**तुला** — आज आप में से कुछ के लिए इधर-उधर की भागदौड़ रहेगी। देरी और बाधाएं भी कई बार चिंता का कारण बनेंगी। धैर्य रखें, क्योंकि समय इतना भी बुरा नहीं है।

**वृश्चिक** — आज आप जिस भी काम को करना चाहेंगे, वो काम बड़े आराम से पूरा हो सकता है। आप किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में जा सकते हैं। नई योजना बना सकते हैं।

**धनु** — योजनाएं बनाएंगे जिनसे आने वाले दिनों में आपको फायदा होने के योग हैं। शक करने की अपनी आदत पर भी आज आपको कंट्रोल करना चाहिए।

**मकर** — अपने बच्चों के साथ पिकनिक मनाने जा सकते हैं। आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं। ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है।

**कुम्भ** — आज दुष्ट व्यक्ति आप को हानि पहुंचाने की कोशिश करेंगे। इसलिए किसी से वाद-विवाद नहीं करें। कुछ मामलों में परिस्थितियां आपके अनुरूप नहीं हो पाएगी।

**मीन** — आज समय कठोर हो सकता है और आप कुछ काम पूरा करने में असमर्थ हो सकते हैं। व्यावसायियों को कुछ श्रम संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

### फिल्म दुनकी को लेकर तापसी पन्नू ने किया बड़ा खुलासा, बोलीं

# किंग खान से मिलती है प्रेरणा

बॉलीवुड इंडस्ट्री की मशहूर अदाकारा तापसी पन्नू इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म शब्बास मिट्ठू के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। इस बीच तापसी ने पठान मूवी स्टार शाहरुख खान को लेकर बड़ी बात कही है। दरअसल तापसी पन्नू और शाहरुख खान बॉलीवुड डायरेक्टर राजकुमार हिरानी की अपकमिंग फिल्म दुनकी में एक साथ नजर आने वाले हैं। ऐसे में इस फिल्म में किंग खान के साथ काम करने को लेकर तापसी पन्नू ने बड़ा खुलासा किया है। दरअसल तापसी पन्नू ने

**बॉलीवुड** | **मसाला**

अपनी फिल्म शब्बास मिट्ठू के प्रमोशन के दौरान एक मीडिया इंटरव्यू के तहत बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को लेकर कहा है कि उनके साथ किसी फिल्म में काम करना आपके करियर के लिए बहुत बड़ी बात होती है। तापसी ने कहा है कि जब आपको शाहरुख खान के साथ काम करने का अवसर प्राप्त होता है तो यह आपके लिए एक सुनहरा मौका है। शाहरुख भी मेरी तरह दिल्ली से आते हैं और सेट पर किस तरीके से खुद को तैयार रखना है, वह उनसे बहुत अच्छी तरह से सीखने को मिलता है। इतना ही नहीं जब मैंने उनके प्रोडक्शन हाउस रेड चिली एंटरटेनमेंट के तहत बदला की थी, तब से मुझे उन्होंने से प्रेरणा मिलती रही है।

**अगले साल रिलीज होगी दुनकी**

यह पहला मौका होगा जब तापसी पन्नू और शाहरुख खान की जोड़ी एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आएगी। मालूम हो कि राजकुमार हिरानी की दुनकी अगले साल 2023 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। ऐसा माना जा रहा है कि यह फिल्म साल के अंत में क्रिसमस के मौके पर रिलीज की जाएगी।

# सूर्या और काजोल को मिला ऑस्कर से न्योता

साउथ सिनेमा के दिग्गज कलाकार सूर्या शिवकुमार को दुनिया के सबसे बड़े फिल्मी अवॉर्ड ऑस्कर से न्योता मिला है। दरअसल सूर्या को ऑस्कर कमेटी का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस खास उपलब्धि को हासिल करने वाले सूर्या एकमात्र साउथ एक्टर हैं। इसके अलावा 397 सेलेब्स की इस बड़ी सूची में हिंदी सिनेमा जगत की मशहूर अदाकारा काजोल का भी नाम शामिल है।

दरअसल सूर्या साउथ इंडस्ट्री के उन चुनिंदा कलाकारों में से एक हैं, जिनकी फैन फॉलोइंग दक्षिण भारतीय सिनेमा के साथ-साथ बॉलीवुड में भी काफी है। पिछले साल सूर्या की फिल्म जय भीम ने अमेजन प्राइम पर रिलीज होकर पूरी दुनिया में हलचल मचा दी थी। इस फिल्म को ऑस्कर के लिए भेजा गया था, लेकिन फिल्म फाइनल कट से पहले बाहर हो गई थी। इस बीच अब मगंलवार को द अकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेस की ओर से जारी 397 सेलेब्स की ऑस्कर समिति में सूर्या का नाम भी रखा गया है। मालूम हो कि सूर्या इकलौते ऐसे साउथ इंडस्ट्री के एक्टर हैं, जिन्हें ऑस्कर कमेटी की सदस्यता के लिए निमत्रंण हासिल हुआ है। साउथ सुपरस्टार सूर्या के अलावा बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस काजोल को भी ऑस्कर कमेटी का हिस्सा बनाया गया है। इसके अलावा मशहूर हिंदी फिल्म मेकर रीमा कागती का नाम भी इस सूची में रखा गया है। बड़ी बात यह है कि इस 397 सदस्यों की ऑस्कर कमेटी में शामिल होकर ये तीन भारतीय हस्तियों ने देश का गौरव बढ़ाया है। दूसरी ओर इस कमेटी के लिए बिलिश एलिश, ओल्गा मेरिडिज और सियान हेडर जैसी कई नामी शख्सियत को आमंत्रित किया गया है।

**बॉलीवुड** | **मन की बात**

# काम के बदले प्रोड्यूसर ने रखी थी अजीब डिमांड: शिव्या पठानिया

टीवी एक्ट्रेस शिव्या पठानिया कई धार्मिक सीरियल में काम करके अपनी एक अलग ही पहचान बना चुकी हैं। टीवी के पॉपुलर शो राम सिया के लवकुश में शिव्या को सीता की भूमिका में देखा गया था। इसके अलावा वो बाल शिव: महादेव और राधा कृष्ण जैसे शो में भी नजर आ चुकी हैं। शिव्या ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि अगर आपको इंडस्ट्री में ज्यादा काम पाना है तो कड़ी मेहनत करनी होगी। इतना ही नहीं बल्कि वो अपने आपको को खुशकिस्मत भी बताती हैं क्योंकि उनके अंदर ये आत्मविश्वास है। हालांकि जब उनके पास कोई काम नहीं था तो उन्हें इंडस्ट्री के हर मुश्किल दौर से भी गुजरना पड़ा है। इस दौरान शिव्या ने बात करते हुए कहा कि उनका पहला डेब्यू सीरियल हमसफर्स बंद कर दिया गया था। वो बेहद ही मुश्किल दौर था उनके करियर के लिए, उस दौरान शिव्या को आठ महीने तक कोई काम नहीं मिला था। एक्ट्रेस ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि उनसे काम के बदले यौन संबंध बनाने की डिमांड की जाती थी। शिव्या ने आगे कहा कि एक बार ऑडीशन के लिए मुझे सांताक्रूज से कॉल आई थी। एक कमरे में गई मैं, जो बहुत ही ज्यादा छोटा था। उस दौरान वहां जो प्रोड्यूसर मौजूद था उसने कहा कि अगर तुम्हें उस विज्ञापन में एक बड़े सेलिब्रिटी के संग काम करना है तो मेरे साथ कॉम्प्रोमाइज करना होगा। एक्ट्रेस ने कहा कि उस दौरान सबसे फनी चीज ये थी कि उसने लैपटॉप पर हनुमान चालीसा चला रखा था। मुझे ये बहुत ही ज्यादा फनी लगा और मैं हंस पड़ी। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने उस आदमी से कहा कि शरम नहीं आ रही क्या आपको? सुन आप भजन रहे हो, और क्या बोले जा रहे हो? शिव्या को कुछ वक्त बाद में पता चला वो कोई प्रोड्यूसर नहीं था बल्कि एक फेक आदमी था। एक्ट्रेस ने फिर अपने सारे दोस्तों को बताया ताकि वो उसके चंगुल में ना फंस सकें। मुझे ये बिल्कुल भी नहीं पता था कि उसमें कैसे इतनी हिम्मत आ गई।

# बिहार का यह गांव अपने आप में है बेहद खास, यकीन न हो तो यहां बने घरों को खुद देख लें...

कटिहार। आपने देशभर में कई गांव देखे होंगे जिसकी कुछ न कुछ विशेष खासियत होगी। आज हम बिहार के एक ऐसे ही गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जहां के लोग अपने घरों की छतों पर विशेष आकृति बनाने को लेकर बेहद खास है। इससे घर की पहचान दूर से ही कर पाना संभव हो जाता है। यह खास गांव कटिहार जिले के कुर्सेला प्रखंड में है। इस गांव का नाम बलथी महेशपुर है। ग्रामीण अपने घरों को अलग पहचान देने के इतने शौकीन हैं कि छत पर सीमेंट से कुछ न कुछ विशेष आकृति बनवाते हैं, ताकि उनके मकान को लोग आसानी से पहचान लें। इस गांव की चर्चा आसपास के इलाके में खूब होती है। यदि जुनून बन जाए तो वह अलग पहचान दे देता है। कटिहार केकुर्सेला थाना क्षेत्र के बलथी महेशपुर गांव के कुछ लोगों के बेहद ही खास शौक की वजह से यह इलाका पूरे बिहार में खास पहचान रखता है। वैसे तो हो शहरों और गांवों के लोग अपनी छतों पर कई तरह की आकर्षक आकृतियां बनवाते हैं, लेकिन N H-31 से सटे इस इलाके में कई लोगों द्वारा छत पर आकर्षक मॉडल बनाने के कारण इसकी अलग पहचान बन गई है। लोग कहते हैं कि यहां के लोगों की पहचान उनके घर के छत से होने लगी है। इसकी शुरुआत जॉब कंसलटेंसी के काम से जुड़े रोमी खान ने की थी। दरअसल, इसी इलाके के रहने वाले मजदूर अशोक बाहर में इसी काम से जुड़े होने की जानकारी देते हुए रोमी खान से उनके घर के छत पर आकर्षक सीमेंट के मॉडल बनाने का मौका देने का गुजारिश की थी। रोमी खान ने अशोक को मौका देते हुए अपने व्यवसाय से जुड़े पहचान को कायम करने के लिए छत पर एयर इंडिया लिखा हुआ एरोप्लेन बनवा लिया। फिर क्या था इसी को देखते हुए बगल में ही कुछ दूरी पर मुकेश गुप्ता ने अपनी छत पर सीमेंट से धार्मिक मान्यता के अनुसार भोले बाबा के वाहन नंदी बैल बनवा लिया। नवाबगंज में नीरज मंडल ने घर की छत पर फुटबॉल के साथ बाज की आकृति बनवा ली। इस इलाके में चर्चा यह है कि लोग घर से नहीं अब अपने घरों की छतों पर बने आकर्षक मॉडल के कारण पहचाने जाने लगे हैं। आगे इस क्षेत्र के कई लोग कुछ खास मॉडल के साथ अपनी छतों को सुसज्जित करने पर विचार कर रहे हैं।

**अजब-गजब** | **इंडोनेशिया के इस क्षेत्र में है अजीबो-गरीब परंपरा**

# यहां मौत के बाद पेड़ में बदल जाता है बच्चा! तने के अंदर दफन कर देते हैं मां-बाप

दुनिया में कई परम्पराओं और रिवाजों को मानने वाले लोग रहते हैं। इन परम्पराओं को धर्म या आसपास की मान्यताओं के हिसाब से माना जाता है। कुछ परम्पराएं तो अजीबोगरीब होती हैं। आज हम आपको इंडोनेशिया में एक ऐसे ग्रुप के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां लोग अपने मृत बच्चों के शव को पेड़ के तने को खोखला कर उसमें दफना देते हैं। जी हां, यहां मृत शरीर को पेड़ के अंदर दफनाने की परंपरा है।

इंडोनेशिया के ताना तरोजा में इस अजीबोगरीब परंपरा को माना जाता है। यहां रहने वाले अन्य एडल्ट लोगों का अंतिम संस्कार तो आम तरीके से ही किया जाता है लेकिन जब कभी किसी बच्चे की मौत होती है, तब इस परंपरा का अनुसरण किया जाता है। बच्चे की मौत से लोगों में शोक की लहार तो होती है लेकिन अपने बच्चे को प्रकृति के साथ जोड़ने का उत्साह उन्हें फक्र से भर देता है।

**पेड़ के तने में घुसा देते हैं बॉडी**

इंडोनेशिया के ये लोग अपने बच्चों की मौत होने पर ये तरीका अपनाते हैं। इसके लिए पहले से पेड़ के तनों को अंदर से खोखला कर

दिया जाता है। इसके बाद जब बच्चे की मौत हॉट है तो उसे कपड़े में लपेट कर इसी पेड़ के तने में डाल दिया जाता है। इससे शव धीरे-धीरे प्राकृतिक रुप से पेड़ का ही हिस्सा बनता चला जाता है। लोगों का कहना है कि इस तरह से दुनिया से चले जाने के बाद भी वो बच्चा पेड़ के रूप में हमेशा के लिए वहीं रह जाता है।

**बन जाता है हरा-भरा पेड़**

इस परंपरा को इंडोनशिया के मकास्सर से करीब 186 मील दूर रहने वाले ताना तरोजा में माना जाता है। लोग अपने बच्चों को पेड़ के तने में दफना देते हैं और पेड़ को अपना बच्चा समझने लगते हैं। पेड़ों के अंदर खोखले स्पेस को यहां रहने वाले लोग ही बनाते हैं। उनका मानना है कि भलेही भगवान उनसे उनका बच्चा छीन लेते हैं लेकिन ये परंपरा उनके बच्चे को दूर नहीं जाने देती। वो हमेशा अपने मां-बाप के नजदीक रहते हैं।

# खाना बनाते समय महिला की हत्या से सनसनी

» पुलिस कर रही मामले की जांच, हत्या के कारणों का अभी नहीं चला पता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**मुजफ्फरनगर। रतनपुरी थाना क्षेत्र के एक गांव में खाना बनाते वक्त एक महिला की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारोपी मौके से फरार हो गए। वहीं घर पहुंचे छोटे बेटे ने मां को लहूलुहान हालत में देखा तो घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से मामले की जानकारी ली। मृतक महिला के छोटे बेटे संदीप ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।**

जिस समय मां उर्मिला की हत्या की गई, उस वक्त दोनों बेटे घर से बाहर गए हुए थे। बताया गया कि बड़ा बेटा राजू डेयरी पर काम के लिए गया हुआ था जबकि दूसरा छोटा बेटा संदीप किसी काम से सिकंदरपुर गया हुआ था। संदीप घर पहुंचा तो घटना की जानकारी हुई। घटना की जानकारी मिलने पर खतौली तहसीलदार आरती यादव और सीओ विनय कुमार गौतम मौके पर पहुंचे। फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वायड टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से कुछ साक्ष्य जुटाए हैं, जिनके आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। सीओ विनय कुमार गौतम का कहना है एक हफ्ते के भीतर घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। घनश्याम पुरा के मजरा कैलाशनगर में बुजुर्ग महिला की हत्या के बाद हर तरफ दहशत का माहौल है। वहीं परिवार में मातम पसरा हुआ है। घटना को लेकर कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है, सभी सदस्य सदमे में हैं। हालांकि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है, जल्द ही वारदात का खुलासा कर दिया जाएगा।

## पुलिस बूथ के पास मिला युवती का झुलसा शव

गाजियाबाद। कविनगर औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार रात करीब साढ़े दस बजे 25 साल की युवती का झुलसा हुआ शव पुलिस बूथ से महज 50 मीटर की दूरी पर मिला। पुलिस युवती को लेकर अस्पताल पहुंची तो चिकित्सक ने उसे मृत बताया। उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस का मानना है कि हत्या कहीं और करके शव को यहां लाकर फेंका गया है। पार्क से पास से गुजरते लोगों ने युवती को पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी थी। युवती के कपड़े भी पूरी तरह से जल चुके थे। शव को देखते ही लग रहा था कि हत्यारे की साजिश का हिस्सा उसकी शिनाख्त न होने देने की कोशिश करना भी है। इसी के तहत चेहरा भी पूरी तरह से जला दिया गया। पुलिस का कहना है कि उसे पेट्रोल जैसे किसी ज्वलनशील पदार्थ से जलाया गया है और पेड़ के पास फेंका गया। आसपास जलाए जाने के निशान नहीं मिले हैं। इस आधार पर लग रहा है कि उसका शव किसी वाहन में रखकर लाया गया। सीओ कविनगर अवनीश कुमार का कहना है कि महिला का शव मिला है। लग रहा है कि इसे कहीं और से लाया गया है। पूरे जिले में अलर्ट किया गया है। लापता महिलाओं के बारे में जानकारी की जा रही है।

## गैंगस्टर एक्ट के तीन आरोपियों का मकान कुर्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» जिलाधिकारी के आदेश पर की गयी कार्रवाई

**अंबेडकरनगर। कोतवाली टांडा क्षेत्र के मोहल्ला नैपुरा एवं सकरावल में गैंगस्टर के तीन आरोपियों का मकान बुधवार को जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन के आदेश पर पुलिस तथा राजस्व विभाग की टीम ने कुर्क किया। घर की महिलाओं ने कुर्की की कार्रवाई का विरोध भी किया।**

नैपुरा एवं सकरावल निवासी तौसीफ पुत्र तौफीक, कफील उर्फ पुल्लू पुत्र ताज मोहम्मद और तौहीद अहमद की ओर से लंबे अर्से से प्रतिबंधित पशुओं का वध कर मांस बेचने का कार्य किया जा रहा था। टांडा कोतवाली पुलिस ने इन लोगों को कई बार प्रतिबंधित पशुओं के मांस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था किन्तु इसके बाद भी ये गिरोह बनाकर काम करते रहे। पुलिस ने इनके विरुद्ध गैंगस्टर का अपराध पंजीकृत किया। जिलाधिकारी के आदेश पर एसडीएम टांडा दीपक वर्मा के नेतृत्व में कोतवाल टांडा विजेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ उपनिरीक्षक अरविन्द कुमार पांडेय, उपनिरीक्षक राम नरेश वर्मा, लेखपाल छोटेलाल एवं भारी मात्रा में पुलिस फोर्स तथा महिला सिपाहियों के साथ नैपुरा व सकरावल पहुंचे। गैंगेस्टर के आरोपी तौसीफ का दो मंजिला मकान, कफील उर्फ पुल्लू का मकान एवं घेरा तथा तौहीद अहमद के मकान को कुर्क कर उसको सील कर दिया। कुर्की में घर की महिलाओं ने विरोध जताया।

# सुरक्षा प्रबंधन पर विशेषज्ञों ने किया मंथन

» पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सम्मेलन में विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

» एचएसई संस्कृति के विकास में नेतृत्व की भूमिका पर भी सत्र आयोजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, उत्तर प्रदेश चैप्टर ने सेफ्टी कंट्रोल्स एंड डिवाइसेस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से होटल क्लार्क्स अवध, लखनऊ में दो दिवसीय उत्तर प्रदेश औद्योगिक सुरक्षा (एचएसई), अग्नि सुरक्षा और आपदा प्रतिक्रिया पर इंटरैक्टिव सम्मेलन और एक्सपो का आयोजन किया।**

बुधवार को विश्व स्तरीय एचएसई संस्कृति के विकास में नेतृत्व की भूमिका पर पैनल चर्चा सत्र में विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। साथ ही अग्नि सुरक्षा प्रबंधन पर एचएसई विषय विशेषज्ञों के साथ तकनीकी सत्र भी आयोजित किया गया। पी के राव, सम्मेलन संयोजक और पूर्व निदेशक यूपी फायर सर्विस ने बताया कि जीवन में किस तरह सुरक्षा उपायों को लागू किया जा सकता है। डॉ. एस पी गर्ग, गेल एचएसई सलाहकार ने कहा कि गेल ने अपने कर्मचारियों के लिए व्यक्तित और सामूहिक सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति का निर्माण किया है, जिसने कर्मचारियों के व्यवहार को भी बदल दिया है। ललितपुर पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड के चीफ सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर डॉ. एवी सिंह ने शून्य कार्बन उत्सर्जन पर जोर दिया। विनायक नाथ, सह-संस्थापक और निदेशक, इंडिया असिस्ट इनसाइट्स प्रा. लिमिटेड और प्रबंध निदेशक, यूपी एंजेल नेटवर्क ने कहा कि छोटे उद्योगों और एमएसएमई को संवेदनशील बनाया जाना चाहिए और उन पर श्रमिकों की स्वच्छता और सुरक्षा के लिए मानक मानदंड बनाए जाने चाहिए। इस मौके पर मनोज झा, उपाध्यक्ष, इंडोरामा इंडिया प्रा. लिमिटेड , प्रोफेसर अमित सिन्हा, वरुण वर्मा आदि मौजूद रहे।

# मुठभेड़ में एक बदमाश गिरफ्तार साथी फरार, दारोगा को लगी गोली

» चोरी का ट्रक, स्कार्पियो, तमंचा और कटर का सामान बरामद

» एटीएम काटने वाले गिरोह का सदस्य है बदमाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**चंदौली। जिले के बलुआ थाना क्षेत्र के गंगा पुल के पास बुधवार देर रात ट्रक सवार बदमाशों के साथ पुलिस की मुठभेड़ में एक बदमाश गिरफ्तार किया गया जबकि दूसरा भाग निकला। पकड़े गए बदमाश के पैर में गोली लगी है। वहीं एसआई अभिनव भी घायल हो गए। चोरी के ट्रक में चोरी की स्कार्पियो और एटीएम काटने का सामान और कई राज्यों का नंबर प्लेट बरामद हुआ। घायल बदमाश को इलाज के लिए चहनियां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। उसकी पहचान राजस्थान के अलवर निवासी अयूब खान के रूप में हुई है।**

पुलिस ने बताया कि चेकिंग के दौरान जब ट्रक को रुकने का इशारा किया गया तो उसमें बैठे दो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। पुलिस ने भी जवाब में गोली चलाई। बदमाश अयूब खान व उसका साथी खुद को पुलिस से घिरता देख ट्रक छोड़कर भागने लगा। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश पुलिस की गोली से घायल हो गया जबकि एक अन्य अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकला। वहीं मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की एक गोली दारोगा अभिनव गुप्ता के बाए हाथ में लग गई। बदमाश ने बताया कि वह एटीएम काटने वाले गिरोह का सदस्य है। उसका काम एटीएम को कटर से काटना है। पुलिस को चोरी का दस चक्का ट्रक, एक स्कार्पियो, कटर का सामान, गैस सिलिंडर, एक तमंचा, दो स्मार्ट फोन, एक डोंगल बरामद हुआ। इसके अलावा उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के कूटरचित नंबर प्लेट भी बरामद हुए थे। पुलिस अब पकड़े गए अपराधी अयूब की हिस्ट्रीशीट खंगाल रही है।

# बेघर परिवारों को मकान बनाने को जमीन देगी सरकार

## राजस्व परिषद ने जिलाधिकारियों से मांगा आवासहीनों का ब्यौरा

» विधान सभा चुनाव के दौरान किए गए वादे को पूरा करने की पहल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। भाजपा के संकल्प पत्र में हर बेघर को घर देने का वादा निभाने के लिए प्रदेश सरकार ने पहल शुरू कर दी है। राजस्व परिषद ने सभी जिलाधिकारियों को ऐसे परिवारों का विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है जिनके पास अपना आवास नहीं हैं। ऐसे परिवारों का ब्योरा भी तलब किया गया है जिनके पास आवास के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है।**

पिछले दिनों यूपी सरकार के विभिन्न विभागों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के समक्ष अपनी कार्ययोजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया था। राजस्व विभाग ने हर बेघर को घर देने की सरकार की मंशा के तहत ऐसे परिवार जिनके पास आवास के लिए जमीन नहीं है, उन्हें पट्टे पर आवासीय भूमि देने का लक्ष्य अपनी 100 दिन की कार्ययोजना में शामिल किया था। इस कार्ययोजना को अमली जामा पहनाने के लिए राजस्व परिषद ने सभी जिलाधिकारियों को अपने जिलों में ग्रामवार और तहसीलवार ऐसे आवासहीन परिवारों की संख्या बताने के लिए कहा है। ऐसे परिवारों का भी विवरण मांगा है जिनके पास मकान बनाने के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है। जिलाधिकारियों से परिषद ने आवासहीन परिवारों को मकान और भूमिहीन परिवारों को मकान के लिए जमीन उपलब्ध कराने के लिए की गई कार्यवाही का विवरण भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

जिन परिवारों के पास मकान के लिए जमीन नहीं होती है, राजस्व विभाग उन्हें घर बनाने के लिए ग्राम समाज की भूमि पट्टे पर देता है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव 2022 से पूर्व जारी लोक कल्याण संकल्प पत्र में भाजपा ने सत्ता में आने पर हर बेघर को घर उपलब्ध कराने का वादा किया था। पार्टी ने सभी गरीब, आवासहीन, अनुसूचित जाति व जनजाति, घुमंतू जाति, पिछड़े, वंचित व अन्य गरीब परिवारों को आवासीय पट्टे की भूमि और आवास की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की थी।

# पीडब्ल्यूडी में करोड़ों का खेल होने की तैयारी, नियमों को ताक पर रखकर फिलिप्स को काम देने का प्लान

» शर्तों की प्रक्रिया में हेरफेर कर एक ही कंपनी को टेंडर देने की तैयारी में विभाग

» आवास एवं विकास परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष ने सीएम से की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

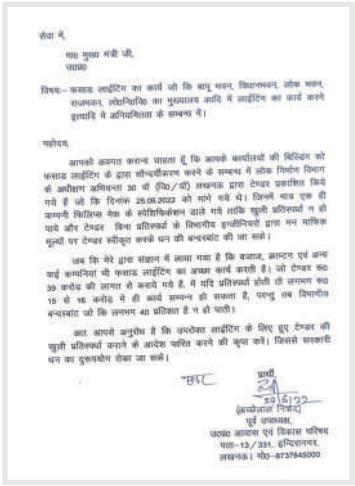

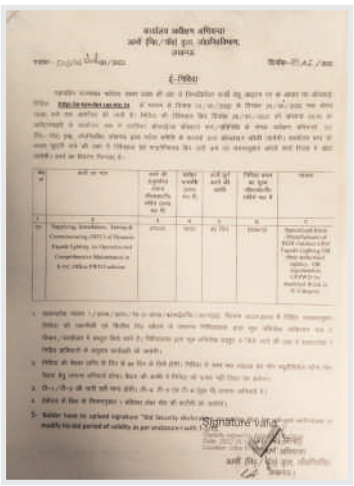

> जीरो टॉलेरस नीति के तहत इस विभाग में काम होता है। टेंडर प्रक्रिया नियमानुसार ही होती है। हमारे ऊपर लगे सभी आरोप गलत है। उच्च स्तर पर निर्णय लिए गए हैं।
>
> -आरके सिन्हा, अधीक्षण अभियन्ता, पीडब्ल्यूडी

लखनऊ। एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साफ-साफ निर्देश है कि टेंडर में पारदर्शिता रखी जाए और काम ईमानदारी से किया जाए पर सार्वजनिक निर्माण विभाग पर इसका कोई फर्क पड़ता हुआ नहीं दिखायी दे रहा। विभागों में लाइटें लगवाने का एक 39 करोड़ का टेंडर जारी हुआ, जिसमें सारी शर्तें ऐसी रखी गयी, जिससे सिर्फ एक ही कपंनी फिलिप्स को फायदा पहुंच सके। आवास विकास परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष अच्छे लाल निषाद ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से की है।

उल्लेखनीय है कि पीडब्ल्यूडी यानी लोक निर्माण विभाग में भ्रष्टाचार की लगातार शिकायतें आ रही है कि विभागीय अफसर कमीशनबाजी के कारण टेंडर की ऐसी शर्तें तैयार कर रहे है, जिससे कोई और भाग ना ले सके। इसी कड़ी में अच्छे लाल निषाद ने सीएम को लिखा है कि जो टेंडर 39 करोड़ में फिलिप्स को देने की तैयारी है। यदि वो प्रतिस्पर्धा के तौर पर कराए गए होते तो यह काम पंद्रह करोड़ से भी कम में हो जाता। ऐसा इसलिये नहीं हुआ क्योंकि विभाग में कमीशनबाजी बहुत ज्यादा हावी है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष अच्छेलाल निषाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लोक निर्माण विभाग द्वारा फिलिप्स कंपनी को टेंडर देने की तैयारी को लेकर शिकायती पत्र लिखा है। उन्होंने सीएम को लिखे पत्र में बताया कि बापू भवन, विधान भवन, लोकभवन, राजभवन व लोक निर्माण विभाग के मुख्यालय आदि में लाईटिंग के कार्य में फिलिप्स कंपनी को जारी किए जा रहे टेंडर में अनियमितता बरती गई है। निषाद ने पत्र में लिखा कि विभागों की बिल्डिंग को फसाद लाइटिंग के द्वारा सौंदर्यीकरण के संबंध में लोक निर्माण विभाग के एक अधीक्षण अभियन्ता आरके सिन्हा द्वारा टेंडर जारी किया गया। टेंडर में शर्तें ऐसी रख दी कि इस दौरान मात्र एक कंपनी फिलिप्स का ही चयन किया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह टेंडर स्वीकृत करके सरकारी धन का आपसी बंदरबांट किया गया। जबकि बजाज, क्राम्टन एवं अन्य कई कंपनियां भी फसाद लाइटिंग का अच्छा कार्य करती है। इन कंपनियों द्वारा यह काम 39 करोड़ की जगह पर 15-16 करोड़ में हो सकता था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। टेंडर प्रक्रिया में पूरी तरह अनियमितता बरती जा रही है। अच्छेलाल ने सीएम से पूरे मामले में हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि उपरोक्त लाईटिंग के लिए हुए टेंडर की जांच के आदेश पारित किए जाए, ताकि सरकारी धन के दुरुप्रयोग को रोका जा सके।

फोटो : 4पीएम

**बजरंग दल का प्रदर्शन**

लखनऊ। उदयपुर में हुए कन्हैया हत्याकांड के बाद राजस्थान सरकार के खिलाफ हिंदू संगठनों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में राजधानी में आज बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक होकर सामूहिक विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राजस्थान को भी बाबा के बुलडोजर की जरूरत है तभी वहां हिंदू सुरक्षित होगा।

# विपक्षी नेताओं के रवैये में बदलाव नहीं आया तो भाजपा 24 में सभी सीटें जीत लेगी: राजभर

» सपा गठबंधन के सहयोगी ओपी राजभर ने अखिलेश को लेकर कही बड़ी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीटों के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की पराजय के बाद पार्टी के सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओमप्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को लेकर बड़ा बयान दिया है। गाजीपुर में राजभर ने अखिलेश पर ही निशाना साधते हुए कहा कि वह अपने दम पर नहीं बल्कि अपने पिता मुलायम सिंह की कृपा से मुख्यमंत्री बने थे।

उन्होंने कहा अखिलेश के नेतृत्व में वर्ष 2014, 2017, 2019 और 2022 में लोकसभा व विधानसभा के जो भी चुनाव हुए, सभी में सपा पराजित हुई। उपचुनाव व विधान परिषद के चुनाव में भी सपा हारी है। अखिलेश यादव स्वयं स्पष्ट करें कि अभी तक एक भी चुनाव में उन्हें जीत क्यों नहीं हासिल हुई। राजभर ने अखिलेश को वातानुकूलित कमरों से निकलकर क्षेत्र में काम करने की सलाह देते हुए पूछा, अखिलेश यादव बताएं कि उन्होंने अभी तक धरातल पर क्या कार्य किया है। राजभर ने कहा उन्होंने अभी तक कितने गांवों में बैठक की है। उपचुनाव में सपा मुखिया चुनाव प्रचार में नहीं गए थे। ऐसे में पार्टी कैसे चुनाव जीतेगी? राजभर ने कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं के रवैये में अगर बदलाव नहीं आया तो भाजपा 24 में उत्तर प्रदेश में सभी सीटें जीत लेगी।

# ईओडब्ल्यू ने अमिताभ को 390 रुपए वापस किए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ईओडब्ल्यू उत्तर प्रदेश ने पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को अंततोगत्वा आरटीआई में चार साल बाद 1289 पृष्ठ निशुल्क प्रदान किया। अमिताभ के खिलाफ थाना गोमतीनगर लखनऊ में आय से अधिक संपत्ति के आरोपों में मुकदमा दर्ज हुआ था, जिसे सही नहीं पाते हुए ईओडब्ल्यू ने वर्ष 2018 में अंतिम रिपोर्ट भेजा था।

अमिताभ ने इसके बाद ईओडब्ल्यू से विभागीय पत्रावली के समस्त पृष्ठ मांगे थे, जिन्हें ईओडब्ल्यू द्वारा यह कहते हुए दिए जाने से मना किया जाता रहा कि यह विभाग की व्यक्तिगत सूचना है। राज्य सूचना आयोग ने ईओडब्ल्यू के तर्कों को पूर्णतया निराधार बताते हुए 29 अक्टूबर 2021 के आदेश द्वारा समस्त सूचना देने को कहा। इसके बाद भी ईओडब्ल्यू द्वारा सूचना नहीं दी गयी। फिर जेल से निकलने के बाद अमिताभ ने जब सूचना मांगी तो ईओडब्ल्यू ने उन्हें 195 पृष्ठों के लिए दो रुपए के हिसाब से 390 रुपए देने को कहा। इस पर अमिताभ ने पैसे तो भेजे पर यह कहा कि चूंकि सूचना 30 दिन बाद दी गयी है, अत: शुल्क मांगा जाना गलत है। अब ईओडब्ल्यू ने अमिताभ को 1289 पृष्ठ सूचना देने के साथ उनके द्वारा भेजा गया 390 रुपए भी उन्हें वापस कर दिया है।

# यूपी के राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए केंद्र ने मंजूर किए 16 हजार करोड़

» आरओबी व स्ट्रीट लाइटों का भी काम होगा, बढ़ सकता है सेंट्रल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार ने प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों, रेल ओवरब्रिज के निर्माण, नाले और स्ट्रीट लाइटों के लिए 16,376 करोड़ रुपये की कार्ययोजनाओं को मंजूरी दी है। नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद की बैठक में कार्ययोजनाओं को मंजूरी दी गई।

बैठक में जितिन प्रसाद ने गडकरी से सेंट्रल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड में उत्तर प्रदेश का आवंटन बढ़ाने का अनुरोध किया। बैठक के दौरान गडकरी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022-23 के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 15,000 करोड़ रुपये की कार्ययोजना स्वीकृत की गई है। बैठक में लोक निर्माण विभाग की राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) विंग को 15,000 करोड़ रुपये के कार्यों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) भेजने के निर्देश दिए गए। वहीं सेतु निगम के माध्यम से प्रदेश में आरओबी के निर्माण के लिए 700 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की गई है। इस वर्ष के बजट में आरओबी बनाने के लिए 117.27 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए थे। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि इसके सापेक्ष 700 करोड़ रुपये की स्वीकृति नि:संदेह राज्य सरकार के लिए बड़ी उपलब्धि है। बैठक के दौरान प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में पुराने राष्ट्रीय राजमार्गों के सुधार और उन्हें चौड़ा करने के अलावा नालों के निर्माण और स्ट्रीट लाइट की स्थापना के लिए 676 करोड़ रुपये के एस्टीमेट स्वीकृत करने के निर्देश भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को दिए गए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।